MPA

एम.ए. (लोक प्रशासन)
एम.पी.ए.

जुलाई 2016 और जनवरी 2017 सत्र के सत्रीय कार्य
(एम.ए. प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रमों के लिए)

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110 068

एम.ए. प्रथम वर्ष (लोक प्रशासन)

प्रिय छात्र/छात्राओ,

एम.ए. (लोक प्रशासन) कार्यक्रम की आवश्यकता के अनुसार, प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए आपको एक–एक अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करना होगा।

सत्रीय कार्यों को हल करने से पहले कृपया अलग से भेजी गई कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को सावधानी से पढ़ लें। यह महत्वपूर्ण है कि आप टी.एम.ए. के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें। आपके उत्तर प्रत्येक प्रश्न के लिए निर्धारित की गई शब्द–सीमा के भीतर होने चाहिए। याद रखें, सत्रीय कार्य के प्रश्नों का उत्तर लिखने से आपकी लेखन शैली में सुधार होगा और ये आपको सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार करेंगे।

सत्रीय कार्यों को अपने अध्ययन केंद्र के संचालक के पास जमा कराएँ। जमा कराए गए सत्रीय कार्यों की अध्ययन केंद्र से रसीद अवश्य प्राप्त कर लें और उसे अपने पास संभाल कर रखें। अगर संभव हो तो सत्रीय कार्यों की एक फोटोप्रति भी अपने पास रखें।

सत्रीय कार्यों को मूल्यांकन के पश्चात अध्ययन केंद्र आपको वापस कर देगा। कृपया इस ओर विशेष ध्यान दें। अध्ययन केंद्र द्वारा अंकों को संबंधित क्षेत्रीय केंद्र को भेजना होता है और बाद में वे उन्हें विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली के पास भेजते हैं।

प्रस्तुतीकरण :

एम.ए. प्रथम वर्ष में उपलब्ध सभी चारों पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य इस पुस्तिका में शामिल हैं। आपसे अनुरोध है कि आप सत्रीय कार्यों को निर्धारित तिथि तक जमा करा दें ताकि आप सत्रांत परीक्षा दे सकें।

सत्रीय कार्यों को पूरा करके निम्नलिखित समय–सारणी के अनुसार भेजें :

सत्रीय कार्य संख्या	प्रस्तुति की तिथि	किसे भेजें
एम.पी.ए–011, एम.पी.ए–012, एम.पी.ए–013 और एम.पी.ए–014 का सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.)	**जुलाई 2016 सत्र के लिए 31 मार्च 2017** **जनवरी 2017 सत्र के लिए 30 सितंबर 2017**	**अपने निर्दिष्ट अध्ययन केंद्र के संचालक को**

सत्रीय कार्य करने के निर्देश

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्य में दिए गए निर्देशों के अनुसार अपने उत्तर लिखेंगे। सत्रीय कार्यों के उत्तर लिखते समय कृपया निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखें:

1) **योजना** : सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। सत्रीय कार्य के प्रश्न जिन इकाइयों पर आधारित हैं, उन्हें ध्यान से पढ़िए। प्रत्येक उत्तर के बारे में महत्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

2) **संगठन** : अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले कुछ बेहतर को चुनने और विश्लेषण करने का प्रयास कीजिए। उत्तर की प्रस्तावना और समाहार पर विशेष ध्यान दें।

   उत्तर लिखने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लें कि :

   क) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत हो
   ख) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध हो; और
   ग) उत्तर आपके भाव, शैली और प्रस्तुति के आधार पर सही हों।

3) **प्रस्तुतीकरण** : जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर की स्वच्छ प्रति तैयार करें। **उत्तर साफ–साफ और अपनी हस्तलिपि में ही लिखें।** जिन बिंदुओं पर आप जोर देना चाहते हों, उन्हें रेखांकित कर दें। यह अवश्य सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तर निर्धारित शब्द–सीमा के भीतर ही हो।

शुभकामनाओं के साथ,

प्रो. ई. वायुनंदन और प्रो. अलका धमेजा
कार्यक्रम संयोजक
एम.ए. (लोक प्रशासन)

एम.पी.ए–011 : राज्य, समाज और लोक प्रशासन
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.–011
सत्रीय कार्य कोड : एम.पी.ए.-11/ए.एस.एस.टी/टी.एम.ए/2016–2017
अंक: 100

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग–I

1. राज्य के अर्थ और विशेषताओं की चर्चा कीजिए। 20

2. समाज–प्रशासन संबंध के बारे में मार्क्सवादी वैचारिकता का विवेचन कीजिए। 20

3. राज्य के उदारवादी परिप्रेक्ष्य से आप क्या समझते हैं? 20

4. 'स्वराज' के गांधीवादी राजतंत्र की विशेषताओं वर्णन कीजिए। 20

5. नागरिकों और प्रशासन के बीच अंतर्संबंध को शासित करने वाले सिद्धांतों पर एक टिप्पणी लिखिए। 20

भाग–II

6. लोक प्रशासन और विकास 'उत्पन्न' करने के विभिन्न तरीकों का संक्षेप में वर्णन कीजिए। 20

7. 'नीति निर्माण में मध्य–स्तरीय और उच्च–स्तरीय नौकरशाही प्रमुख भूमिका निभाती है।' टिप्पणी कीजिए। 20

8. लोक प्रशासन पर वैश्वीकरण के प्रभाव का विवेचन कीजिए। 20

9. सुशासन की अवधारणा और महत्व का उल्लेख कीजिए। 20

10. राजनीतिक कार्यपालिका में सुधार के लिए क्या उपाय किए जाने चाहिए? 20

एम.पी.ए–012 : प्रशासनिक सिद्धांत
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.–012
सत्रीय कार्य कोड : एम.पी.ए.-12/ए.एस.एस.टी/टी.एम.ए/2016–2017
अंक : 100

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग–I

1. 'उदारीकरण, निजीकरण और भूमंडलीकरण के युग में लोग प्रशासन ने नई भूमिका प्राप्त कर ली है।' 20

2. 'मैक्स वेबर ने नौकरशाही की विशेषताओं की व्याख्या की और प्राधिकार को तीन आदर्श प्रकारों में वर्गीकृत किया है।' चर्चा कीजिए। 20

3. प्रशासनिक सिद्धांत के उद्‌भव और विकास की चर्चा कीजिए। 20

4. एल्टन मेयो द्वारा हॉथोर्न संयत्र में किए गए प्रयोगों की चर्चा कीजिए। 20

5. मानव व्यक्तित्व के बारे में क्रिस अर्गिरिस (Chris Argyris) के विचारों और संगठन की कार्य–प्रणाली पर उसके प्रभावों की चर्चा कीजिए। 20

भाग–II

6. 'आवश्यकता सिद्धांत के पदानुक्रम' के बारे में अब्राहम मैस्लो के विचार का विवेचन कीजिए। 20

7. अधिगम संगठन के परिचालन की चर्चा कीजिए। 20

8. संगठनात्मक संस्कृति क्या है? संगठनात्मक संस्कृति के विभिन्न प्रकारों की चर्चा कीजिए। 20

9. लोक चयन से आप क्या समझते हैं और इसकी स्वरूपगत विशेषताएँ क्या हैं? 20

10 लोक प्रशासन के नए सार्वजनिक प्रबंधन परिप्रेक्ष्य की व्याख्या कीजिए। 20

एम.पी.ए–013 : सार्वजनिक प्रणाली प्रबंधन
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.–013
सत्रीय कार्य कोड : एम.पी.ए.-13/ए.एस.एस.टी/टी.एम.ए/2016–2017
अंक : 100

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग–I

1. सार्वजनिक प्रणाली प्रबंधन का सैद्धांतिक आधार उपलब्ध कराने वाले महत्वपूर्ण सिद्धांतों का विवेचन कीजिए। 20

2. विनियामक राज्य की भूमिका की चर्चा कीजिए। 20

3. समकालीन संदर्भ में नौकरशाही और राजनीतिक कार्यपालिका के बीच संबंधों के बदलते स्वरूप का विश्लेषण कीजिए। 20

4. शासन के विविध प्रकारों पर एक टिप्पणी लिखिए। 20

5. भारतीय संसद में बजट के विधायन की प्रक्रिया की व्याख्या कीजिए। 20

भाग–II

6. व्यवस्था विश्लेषण के महत्वपूर्ण चरणों की चर्चा कीजिए। 20

7. सार्वजनिक सेवाओं में प्रबंधन सूचना प्रणाली का मूल्यांकन कीजिए। 20

8. कार्य–मापन की अवधारणा और लक्ष्यों की व्याख्या कीजिए। 20

9. सार्वजनिक प्रणाली प्रबंधन में अनुक्रियाशीलता को सुधारने में सार्वजनिक–निजी भागीदारी के महत्व का विश्लेषण कीजिए। 20

10. सार्वजनिक प्रणाली प्रबंधन के मुख्य विकारों का उल्लेख कीजिए। 20

एम.पी.ए–014 : मानव संसाधन प्रबंधन
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.–014
सत्रीय कार्य कोड : एम.पी.ए.-14/ए.एस.एस.टी/टी.एम.ए/2016–2017
अंक : 100

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग–I

1. मानव संसाधन प्रबंधन की अवधारणा और विकास की चर्चा कीजिए। 20

2. सामरिक मानव संसाधन प्रबंधन को परिभाषित कीजिए और इसके विभिन्न मॉडलों की चर्चा कीजिए। 20

3. मानव शक्ति नियोजन की आवश्यकताओं और प्रक्रिया का विवेचन कीजिए। 20

4. 'कार्य–निष्पादन प्रबंधन एक परिणामोन्मुखी क्रिया है।' चर्चा कीजिए। 20

5. भर्ती पर एक टिप्पणी लिखिए और इसके विभिन्न चरणों का विश्लेषण कीजिए। 20

भाग–II

6. मजदूरी, वेतन और पारिश्रमिक की अवधारणाओं का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए। 20

7. गुणवत्ता को परिभाषित कीजिए और पारंपरिक प्रबंधन का सामग्री गुणवत्ता प्रबंधन से अंतर स्पष्ट कीजिए। 20

8. भारत में प्रबंधन में कार्यकर्ताओं की भागीदारी के लिए विभिन्न संस्थानिक व्यवस्थाओं की चर्चा कीजिए। 20

9. 'प्रबंधन विकास उपागम के अनेक तरीके हैं।' व्याख्या कीजिए। 20

10. तनाव को परिभाषित कीजिए और इसके प्रमुख स्रोतों और परिणामों की व्याख्या कीजिए। 20